न्यूज़ टुडे

WHO ने तंबाकू, शराब और शर्करा युक्त पेय पदार्थों की कीमतें बढ़ाने के लिए "3 बाय 35" पहल शुरू की

इस पहल का उद्देश्य **अगले 10 वर्षों में स्वास्थ्य कर (Health Tax)** के माध्यम से तम्बाकू, शराब और शर्करा युक्त पेय पदार्थों की कीमतों में **कम-से-कम 50% की वृद्धि** करना है।

- इस पहल के माध्यम से अगले दशक में वैश्विक स्तर पर **1 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर का अतिरिक्त सार्वजनिक राजस्व** जुटाया जा सकता है।
- यह पहल **विकासात्मक साझेदारों, नागरिक समाज, शैक्षणिक संस्थानों और सरकारों के गठबंधन** के समन्वित प्रयासों के साथ एक सहयोगी गठबंधन के रूप में कार्य करेगी।

स्वास्थ्य कर क्या है?

- यह कर **लोगों के स्वास्थ्य पर नकारात्मक प्रभाव डालने वाले उत्पादों** पर लगाया जाता है, जैसे तंबाकू, शराब आदि।
- WHO का मानना है कि मोटापे व अन्य संबंधित गैर-संचारी रोगों (NCDs) की समस्या से निपटने के लिए यह कर सबसे अधिक **लागत प्रभावी साधन है।**

स्वास्थ्य कर की आवश्यकता क्यों है?

- **स्वास्थ्य प्रभाव:** तम्बाकू, शराब और शर्करा युक्त **पेय पदार्थों का सेवन NCDs महामारी** को बढ़ावा देता है, जो वैश्विक स्तर पर होने वाली मौतों के **75% से अधिक** के लिए जिम्मेदार है।
- **आर्थिक प्रभाव:** इन उत्पादों से **समाज और अर्थव्यवस्था को भी नुकसान** होते हैं। जैसे- इसमें **नकारात्मक बाह्य प्रभाव (दूसरों को स्वास्थ्य संबंधी नुकसान होना) और आंतरिक प्रभाव (स्वयं के इलाज के लिए लंबे समय तक भारी खर्च करना)** शामिल है।
  - इससे 2012 में **वैश्विक अर्थव्यवस्था को 1.4 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर** का नुकसान हुआ था।
- **राजस्व सृजन: 50% कर से पांच वर्षों के भीतर वैश्विक स्तर पर 3.7 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर या प्रति वर्ष औसतन 740 बिलियन अमेरिकी डॉलर का नया राजस्व** जुटाया जा सकता है। यह वैश्विक **सकल घरेलू उत्पाद के 0.75%** के बराबर है।
- **समानता को बढ़ावा:** NCDs से **गरीब और निम्न आय वर्ग अधिक प्रभावित** होते हैं।

भारत में अस्वास्थ्यकर उत्पादों के उपभोग पर अंकुश लगाने के लिए उठाए गए कदम

- **भारत में एयरेटेड (वातित) पेय पदार्थों पर 28% GST और अतिरिक्त 12% क्षतिपूर्ति उपकर** लगाया जाता है।
- भारत में **उच्च वसा एवं शर्करा व नमक (HFSS) युक्त खाद्य पदार्थों पर 12% GST दर से कर** लगाया जाता है।
- **FSSAI ने खाद्य उत्पादों में ट्रांस फैटी एसिड (TFA) की मात्रा** को खाद्य पदार्थ में तेलों और वसा की कुल मात्रा के **2% तक** रखने का निर्देश दिया है।

इस संबंध में सफल वैश्विक केस स्टडीज

- **कोलंबिया (2016):** कोलंबिया में सिगरेट पर कर बढ़ाने से **सिगरेट के उपभोग में 34% की गिरावट** आई है।
- **सऊदी अरब:** शर्करा युक्त मिठाई और पेय पदार्थ (SSB) पर **50% कर** लगाने के परिणामस्वरूप एक वर्ष के भीतर **SSBs के उपभोग में 19% की कमी** आई है।

भारत के प्रधान मंत्री ने कहा कि 'ग्लोबल साउथ का उदय एक नई विश्व व्यवस्था को आकार दे रहा है'

हाल ही में भारत के प्रधान मंत्री ने रेखांकित किया कि **द्वितीय विश्व युद्ध (WWII) के बाद की विश्व-व्यवस्था** तेजी से बदल रही है, जिसका मुख्य कारण **ग्लोबल साउथ का उदय** है।

- द्वितीय विश्व युद्ध के बाद **वैश्विक शक्ति संतुलन द्विध्रुवीय** हो गया था, जिसमें शक्ति के प्रमुख केंद्र **संयुक्त राज्य अमेरिका (USA) और पूर्व सोवियत संघ (USSR)** थे।
- हालांकि, **1991 में सोवियत संघ के विघटन के बाद संयुक्त राज्य अमेरिका** एकमात्र महाशक्ति बना रहा। इससे **एकध्रुवीय विश्व व्यवस्था की शुरुआत** हुई।

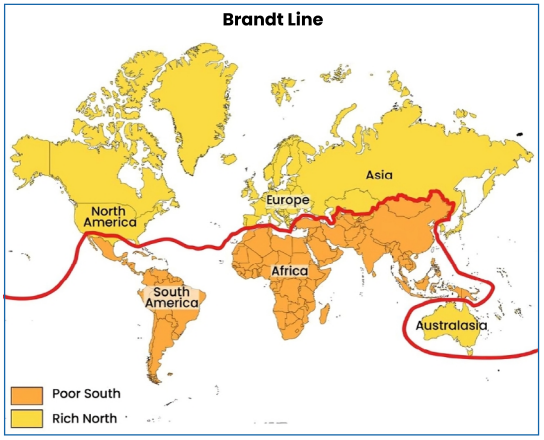

'ग्लोबल साउथ' क्या है?

- **'ग्लोबल साउथ'** शब्दावली उन देशों के लिए प्रयुक्त की जाती है, जो प्रौद्योगिकी और सामाजिक विकास के मामले में कम विकसित माने जाते हैं। ये देश मुख्यतः **दक्षिणी गोलार्द्ध** में स्थित हैं। इसमें **अफ्रीका, एशिया और लैटिन अमेरिका** के देश शामिल हैं।
- **ब्रांट रिपोर्ट (Brandt Report)** में विश्व के देशों को **ग्लोबल नॉर्थ और ग्लोबल साउथ** के रूप में वर्गीकृत किया गया था। इस वर्गीकरण के लिए **देशों में प्रौद्योगिकी की प्रगति, सकल घरेलू उत्पाद (GDP)** जैसे मापदंडों को आधार बनाया गया था।

'ग्लोबल साउथ' का उदय विश्व व्यवस्था को कैसे नया आकार दे रहा है?

- **आर्थिक संवृद्धि:** संयुक्त राष्ट्र व्यापार और विकास (पूर्ववर्ती UNCTAD) की रिपोर्ट के अनुसार **वैश्विक व्यापार में 40% हिस्सेदारी** ग्लोबल साउथ के देशों की है।
  - **चीन, भारत** जैसे देशों की तीव्र आर्थिक संवृद्धि ने **वैश्विक आर्थिक संरचना को बदल** दिया है।
- **वैकल्पिक संस्थानों को मजबूत करना:** जैसे-**न्यू डेवलपमेंट बैंक (NDB) और ब्रिक्स आकस्मिक आरक्षित व्यवस्था (CRA)** मजबूत बहुपक्षीय संस्था के रूप में उभर रही हैं।
- **मुखर कूटनीति:** जैसे- ग्लोबल साउथ के देशों के प्रयास से **जलवायु परिवर्तन पर COP-27** सम्मेलन में **'लॉस एंड डैमेज फंड'** की स्थापना की गई।
  - ग्लोबल साउथ के देश संयुक्त राष्ट्र और अन्य वैश्विक संगठनों में सुधारों के लिए भी दबाव डाल रहे हैं। इसमें **G77 समूह प्रमुख भूमिका** निभा रहा है।
- **जनसांख्यिकीय बल:** ग्लोबल साउथ में **दुनिया की अधिकांश आबादी** रहती है, जिनमें कई राष्ट्र **जनसांख्यिकीय लाभांश** की स्थिति में हैं।
- **अन्य: वाइब्रेंट साउथ-साउथ कोऑपरेशन** जैसी पहलों के माध्यम से सहयोग को बढ़ावा दिया जा रहा है, आदि।

OPCW ने नई दिल्ली में "एशिया में पक्षकार देशों के राष्ट्रीय प्राधिकरणों की 23वीं क्षेत्रीय बैठक" आयोजित की

रासायनिक हथियार निषेध संगठन (OPCW) ने भारत के राष्ट्रीय प्राधिकरण रासायनिक हथियार अभिसमय (NACWC) के सहयोग से यह बैठक आयोजित की है।

- यह क्षेत्रीय बैठक रासायनिक हथियार अभिसमय (CWC) के प्रभावी कार्यान्वयन का समर्थन करने के लिए OPCW के जारी प्रयासों का हिस्सा है।
- OPCW, रासायनिक हथियार अभिसमय को लागू करने वाली मुख्य संस्था है।

रासायनिक हथियार अभिसमय (CWC) के बारे में

- **शुरुआत:** वर्ष 1992 में निरस्त्रीकरण सम्मेलन ने इस अभिसमय के मसौदे को औपचारिक रूप से अपनाया था। यह 1997 में लागू हुआ था।
- यह विश्व का पहला बहुपक्षीय निरस्त्रीकरण समझौता है, जो एक निश्चित समय सीमा में सामूहिक विनाश के हथियारों की एक पूरी श्रेणी को खत्म करने का प्रावधान करता है।
- **सदस्य देश:** इसमें 193 देश शामिल हैं।
  - भारत इस अभिसमय का प्रारंभिक हस्ताक्षरकर्ता है।
- **मान्यता:** OPCW को 2013 में नोबेल शांति पुरस्कार से सम्मानित किया गया था।
- **भारत और CWC:**
  - भारत में इस अभिसमय को लागू करने की जिम्मेदारी NACWC की है। NACWC की स्थापना रासायनिक हथियार अभिसमय अधिनियम, 2000 के तहत की गई है।
    - वर्ष 2024 में, भारतीय रासायनिक परिषद (ICC) को OPCW-द हेग पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। यह पहली बार था जब विश्व में किसी रासायनिक उद्योग संगठन को यह सम्मान मिला।
      - यह पुरस्कार ICC के योगदान को मान्यता देता है, जिसने अभिसमय के उद्देश्यों को आगे बढ़ाने और भारत में पूरे रासायनिक उद्योग की सुरक्षा व संरक्षा को बेहतर बनाने में मदद की।
      - ICC भारत का सबसे पुराना रासायनिक उद्योग संगठन है।

छत्तीसगढ़ वन विभाग ने 'सामुदायिक वन संसाधन अधिकार (CFRR)' पर जारी निर्देश वापस लिया

इस निर्देश के तहत अन्य सरकारी विभागों, गैर-सरकारी संगठनों और निजी संस्थाओं द्वारा सामुदायिक वन संसाधन अधिकार (CFRR) से जुड़े कार्यों पर रोक लगा दी गई थी। इस निर्देश से वन अधिकार अधिनियम (FRA) नकारात्मक रूप से प्रभावित हो रहा था।

- यह निर्देश प्रारंभ में CFRR को राष्ट्रीय कार्य योजना संहिता 2023 के अनुरूप बनाने के लिए जारी किया गया था।

सामुदायिक वन संसाधन अधिकार (CFRR) के बारे में:

- अनुसूचित जनजाति और अन्य पारंपरिक वन निवासी (वन अधिकारों की मान्यता) अधिनियम, 2006 के तहत CFRR का प्रावधान किया गया है। इस अधिनियम को संक्षिप्त रूप में वन अधिकार अधिनियम, 2006 भी कहा जाता है।
- इसमें ग्राम सभा के माध्यम से सामुदायिक वन संसाधन (CFR) का "संरक्षण, पुनरुद्धार या परिरक्षण या प्रबंधन" करने का अधिकार शामिल है।
  - सामुदायिक वन संसाधन (CFR) क्षेत्र वह वन भूमि होती है, जिसे पारंपरिक रूप से किसी समुदाय विशेष द्वारा संधारणीय उपयोग के लिए संरक्षित एवं प्रबंधित किया जाता रहा है।
- यह अधिकार समुदाय को यह अनुमति देता है कि वह अपने वन क्षेत्र के इस्तेमाल के लिए स्वयं नियम बना सके। साथ ही, समुदाय दूसरों (बाहरी लोगों) के लिए भी नियम तय कर सकता है कि वे वन क्षेत्र का उपयोग कैसे करें। इस प्रकार संबंधित समुदाय FRA के तहत अपने दायित्वों को निभाते हैं।

राष्ट्रीय कार्य योजना संहिता (National working Plan code) 2023 क्या है?

- इसे पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन मंत्रालय ने 2004 में जारी किया था तथा 2014 में संशोधित किया था।
- यह देश के विविध वन प्रभागों के वैज्ञानिक प्रबंधन हेतु कार्य योजना बनाने के लिए मार्ग-दर्शक सिद्धांत के रूप में कार्य करती है।

वन अधिकार अधिनियम, 2006 के बारे में

- **उद्देश्य:** वनवासी समुदायों के साथ इतिहास में हुए अन्याय को दूर करना; उनकी आजीविका और खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करना आदि।
- **वन अधिकार अधिनियम के तहत मान्यता प्राप्त वन अधिकार:**
  - **व्यक्तिगत अधिकार:** इसमें स्वयं-खेती और निवास करने, यथास्थान पुनर्वास आदि अधिकार शामिल हैं।
  - **सामुदायिक अधिकार:** इसमें वनों में मौजूद जल निकायों का उपयोग करने, पशुओं को चराने, मछली पकड़ने और बौद्धिक संपदा एवं पारंपरिक ज्ञान का अधिकार; पारंपरिक प्रथागत अधिकारों की रक्षा का अधिकार आदि शामिल हैं।

भारत में रसायन उद्योग को सशक्त बनाया जाएगा

हाल ही में, **नीति आयोग ने 'रसायन उद्योग: वैश्विक मूल्य श्रृंखलाओं में भारत की भागीदारी को सशक्त बनाना'** नाम से एक रिपोर्ट जारी की है। इस रिपोर्ट में भारत के रसायन क्षेत्रक का गहन विश्लेषण किया गया है।

- रिपोर्ट में बताया गया है कि यदि वित्तीय और गैर-वित्तीय स्तर पर सही प्रयास किए जाएं, तो भारत का रसायन क्षेत्रक **2040 तक 1 ट्रिलियन डॉलर** का हो सकता है। साथ ही, **वैश्विक मूल्य श्रृंखलाों (GVCs)** में इसकी **12% हिस्सेदारी** हो सकती है।
  - अभी भारत की **वैश्विक रसायन मूल्य श्रृंखलाओं में हिस्सेदारी केवल 3.5%** है। गौरतलब है कि **भारत दुनिया का छठा सबसे बड़ा रसायन उत्पादक** देश है।

रसायन उद्योग के समक्ष चुनौतियां:

- **आयातित कच्चे माल पर निर्भरता:** वर्ष 2023 में इसकी वजह से भारत को 31 बिलियन अमेरिकी डॉलर का व्यापार घाटा हुआ था। इसका कारण यह है कि देश उन बुनियादी सामग्रियों का उत्पादन करने में इतना सक्षम नहीं हैं, जो रसायन बनाने के लिए आवश्यक हैं।
- **अनुसंधान और विकास (R&D) में कम निवेश:** वैश्विक औसत **2.3%** की तुलना में रसायन क्षेत्रक में हमारा निवेश केवल **0.7%** है। इससे उच्च मूल्य वाले रसायनों में स्वदेशी नवाचार प्रभावित होता है।
- **कुशल पेशेवरों की कमी:** रसायन क्षेत्रक में **30% कुशल पेशेवरों** की कमी है।
- **अन्य चुनौतियां:** खराब अवसंरचना, लॉजिस्टिक्स में अक्षमताएं, और जटिल विनियामक ढांचा आदि।

आगे की राह

- **लक्षित सरकारी सहायता: निवेश को बढ़ावा देने के लिए वायबिलिटी गैप फंडिंग (VGF)** जैसे विशेष सरकारी समर्थन की आवश्यकता है।
- **विश्वस्तरीय केमिकल हब्स स्थापित करना:** भारत में विश्वस्तरीय केमिकल हब्स स्थापित किए जाने चाहिए। साथ ही, उन रसायनों पर **परिचालन व्यय सब्सिडी** दी जानी चाहिए, जिन पर बहुत अधिक आयात निर्भरता है, या जिनमें निर्यात की संभावना है, और जो अंतिम उपयोग वाले महत्वपूर्ण बाजारों के लिए जरूरी हैं।
- **शीघ्र पर्यावरणीय मंजूरी और मुक्त व्यापार समझौतों (FTAs) को सुरक्षित करना:** रसायन उद्योग के विकास में मदद के लिए पर्यावरणीय मंजूरी की प्रक्रिया को तेज करने और मुक्त व्यापार समझौतों पर यथाशीघ्र हस्ताक्षर करने की आवश्यकता है।

अन्य सुर्खियां

सर्विलांस प्राइसिंग (निगरानी आधारित मूल्य निर्धारण)

निगरानी आधारित मूल्य निर्धारण को लेकर **न्यूयॉर्क स्टेट पर नेशनल रिटेल फेडरेशन ने मुकदमा** दायर किया।

सर्विलांस प्राइसिंग (पर्सनलाइज्ड या डायनामिक प्राइसिंग) के बारे में:

- यह एक ऐसी प्रक्रिया है, जिसमें **कंपनियां या ऑनलाइन रिटेलर** किसी व्यक्ति के बारे में एकत्रित किए गए डेटा का उपयोग कर **उत्पादों या सेवाओं की कीमतों को बदलते** हैं।
- इस डेटा में **ब्राउज़िंग हिस्ट्री, स्थान, खरीदारी इतिहास और बहुत कुछ शामिल** हो सकता है।

ध्रुवीय प्रतिचक्रवात (Polar Anticyclone)

हाल ही में ध्रुवीय प्रतिचक्रवात के कारण **चिली और अर्जेंटीना को ध्रुवीय क्षेत्रों के बाहर पृथ्वी के सबसे ठंडे स्थानों** में गिना गया।

ध्रुवीय प्रतिचक्रवात के बारे में:

- यह एक प्रकार का **पवन तंत्र** है, जिसमें **वातावरण में उच्च दबाव का क्षेत्र** बनता है।
- यह तब बनता है जब **सतह के पास की हवा बहुत ठंडी** हो जाती है।
- सतह के पास ठंडी हवा सघन हो जाती है और नीचे की ओर आने लगती है। जब हवा नीचे बैठती है, तो यह सतह पर दबाव बढ़ाती है, जिससे उच्च वायुमंडलीय दबाव का क्षेत्र बनता है।
- इस प्रक्रिया से सतह के ऊपर हवा का द्रव्यमान बढ़ जाता है, जिससे **प्रतिचक्रवात (उच्च दबाव क्षेत्र)** बनता है।
- **ध्रुवीय प्रतिचक्रवात** एक ऐसा क्षेत्र होता है, जहां **चारों ओर कम दबाव होता है और हवा केंद्र से बाहर की ओर बहती** है।
  - उत्तरी गोलार्ध में, हवा बाहर की ओर तथा **दक्षिणावर्त (Clockwise)** बहती है।
  - **दक्षिणी गोलार्ध में, हवा बाहर की ओर तथा वामावर्त (Anti-clockwise)** बहती है।

अपाचे AH-64E हेलीकॉप्टर

हालिया खबरों के अनुसार, **अपाचे AH-64E लड़ाकू हेलीकॉप्टर** जल्द ही भारत को मिलने वाले हैं।

अपाचे AH-64E के बारे में

- यह दुनिया के **सबसे उन्नत और घातक बहु-भूमिका वाले अटैक हेलिकॉप्टरों** में से एक है।
- यह पूरी तरह से **एकीकृत हथियार प्रणाली** से लैस होता है, जिसमें **हेलफायर मिसाइलें, रॉकेट, चेन गन** आदि शामिल हैं।
- यह हेलीकॉप्टर **उन्नत सेंसर्स, रडार और नाइट विज़न क्षमताओं** से सुसज्जित है।

रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC)

रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) ने लगभग **1.05 लाख करोड़ रुपये के पूंजीगत खरीद प्रस्तावों** को मंजूरी दी।

रक्षा अधिग्रहण परिषद (DAC) के बारे में:

- यह **सामरिक रक्षा खरीद की योजना निर्माण और निगरानी के लिए सर्वोच्च संस्था** है। यह भारत के रक्षा प्रतिष्ठानों के बीच **समन्वित तरीके से निर्णय** लेने को सुनिश्चित करता है।
- **अध्यक्ष:** केंद्रीय रक्षा मंत्री।
- **मुख्य कार्य:**
  - **दीर्घकालिक परिप्रेक्ष्य योजना (Long Term Perspective Plan) के तहत पूंजीगत खरीद को 'सैद्धांतिक मंजूरी'** देना।
  - प्रमुख **परियोजनाओं की प्रगति की निगरानी** करना।
  - खरीद प्रस्तावों के लिए **आवश्यकता की स्वीकृति (Acceptance of Necessity)** प्रदान करना।

ग्लोबल पीस इंडेक्स, 2025

इंस्टीट्यूट फॉर इकोनॉमिक्स एंड पीस (IEP) द्वारा ग्लोबल पीस इंडेक्स (GPI) का 19वां संस्करण जारी किया गया।

ग्लोबल पीस इंडेक्स (GPI) के बारे में:

- इसमें **163 देशों** को शामिल किया गया है।
- यह **3 क्षेत्रों में 23 गुणात्मक और मात्रात्मक संकेतकों** के आधार पर मूल्यांकन करता है। **ये तीन क्षेत्र निम्नलिखित हैं-**
  - समाज में सुरक्षा और संरक्षा का स्तर;
  - देश और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर चल रहे संघर्षों की स्थिति; तथा
  - सैन्यीकरण की माला।
- **रिपोर्ट के मुख्य बिंदुओं पर एक नजर:**
  - दुनिया में **शांति का औसत स्तर पहले से और ज्यादा खराब** हुआ है।
  - **दक्षिण एशिया**, दुनिया का **दूसरा सबसे अशांत क्षेत्र** रहा और इसमें सबसे ज्यादा गिरावट दर्ज की गई है।
  - **रैंकिंग:**
    - **आइसलैंड पहले स्थान** पर है।
    - **भारत को 115वां स्थान** मिला है।
    - **रूस (163वां स्थान) सबसे कम शांतिपूर्ण** देश है।

करियाचल्ली द्वीप

निर्जन करियाचल्ली द्वीप पिछले कुछ दशकों में तीव्र अपरदन और बढ़ते समुद्री जल स्तर के कारण काफी हद तक डूब गया है।

करियाचल्ली द्वीप के बारे में:

- स्थान: यह तमिलनाडु में रामेश्वरम और तूतूकुड़ी के बीच मन्नार की खाड़ी समुद्री राष्ट्रीय उद्यान क्षेत्र में स्थित है।
- इसके संरक्षण के लिए तमिलनाडु सस्टेनेबली हार्नेसिंग ओशन रिसोर्सेज (TNSHORE) परियोजना चलाई जा रही है। इसके तहत इस द्वीप के आसपास कृत्रिम संरचनाओं के माध्यम से प्राकृतिक चट्टानों (reefs) को फिर से बहाल करने, समुद्री घास के बेड लगाने और समुद्री जीवन को पुनर्जीवित करने के प्रयास किए जा रहे हैं।

कश्मीरी पश्मीना शॉल

भारत के प्रधान मंत्री ने अपनी घाना यात्रा के दौरान, देश के शीर्ष नेताओं को कुछ हाथ से बनी कलाकृतियां जैसे- कश्मीरी पश्मीना शॉल भेंट की।

कश्मीरी पश्मीना शॉल

- यह चांगथांगी बकरी के मुलायम ऊन से बुनी जाती है।
- यह अपनी कोमलता और गर्माहट के लिए मशहूर है।

अन्य हस्तशिल्प

- बिदरीवेयर फूलदान (बीदर, कर्नाटक): इन फूलदानों का आधार जस्ते-तांबे की मिश्रधातु से बना होता है, जिस पर काले रंग की पॉलिश की जाती है और चाँदी की महीन नक्काशी होती है।
  - इन पर फूलों के डिजाइन होते हैं, जो सुंदरता, समृद्धि एवं सद्भाव का प्रतीक हैं।
- चाँदी का तारकशी पर्स (कटक, ओडिशा): यह अपनी तारकशी कलाकृति के लिए विख्यात है।
  - इस पर्स पर फूलों और बेलों के डिजाइन होते हैं, जिन्हें आधुनिक शैली के साथ मिश्रित किया जाता है।
- मिनिएचर अंबावारी हाथी (पश्चिम बंगाल): यह पॉलिश किए गए कृत्रिम हाथी-दांत से बना होता है, जो प्राकृतिक हाथी-दांत का नैतिक विकल्प है।

नोट: मिनिएचर अंबावारी हाथी को छोड़कर, उपर्युक्त सभी हस्तकलाओं को भौगोलिक संकेतक (GI) टैग मिला हुआ है।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC)

हाल ही में, अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) ने भारत के ओलंपिक संघ को लेकर दो बड़ी चिंताएं प्रकट की हैं:

- भारतीय ओलंपिक संघ में गवर्नेंस का संकट; तथा
- भारत में डोपिंग के मामलों में बढ़ोतरी।
  - ये चिंताएं ऐसे समय में आई हैं जब भारत 2036 के ओलंपिक की मेजबानी के लिए अपनी दावेदारी पेश कर रहा है।

अंतर्राष्ट्रीय ओलंपिक समिति (IOC) के बारे में

- उत्पत्ति: इसकी स्थापना 1894 में गई थी।
- प्रकार: यह एक स्वतंत्र और गैर-लाभकारी अंतर्राष्ट्रीय संस्था है।
- भूमिका: यह ओलंपिक खेलों की संरक्षक है।
  - यह खेलों में नैतिकता और गुड गवर्नेंस को बढ़ावा देने का कार्य भी करती है।
- सदस्य: IOC के सदस्य अपने-अपने देशों में IOC के प्रतिनिधि होते हैं, न कि IOC में देशों के प्रतिनिधि।
- वित्त-पोषण: यह संस्था पूरी तरह निजी स्रोतों से वित्त-पोषित होती है।
- मुख्यालय: लॉज़ैन (स्विट्जरलैंड) में है।

ब्लू नील नदी

इथियोपिया का ग्रैंड इथियोपियन रेनेसां डैम (GERD) अब बनकर तैयार हो गया है। यह डैम ब्लू नील नदी पर बना है।

- इसे अफ्रीका की सबसे बड़ी जलविद्युत परियोजना माना जा रहा है।

ब्लू नील नदी के बारे में:

- यह नील नदी की एक प्रमुख सहायक नदी है।
- उत्पत्ति: इथियोपिया की टाना झील से होती है।
- प्रवाह मार्ग: यह सूडान में बहती है और वहां व्हाइट नील से मिलकर खार्तूम (Khartoum) में नील नदी बनाती है।
- कवर किए गए देश: इथियोपिया और सूडान।